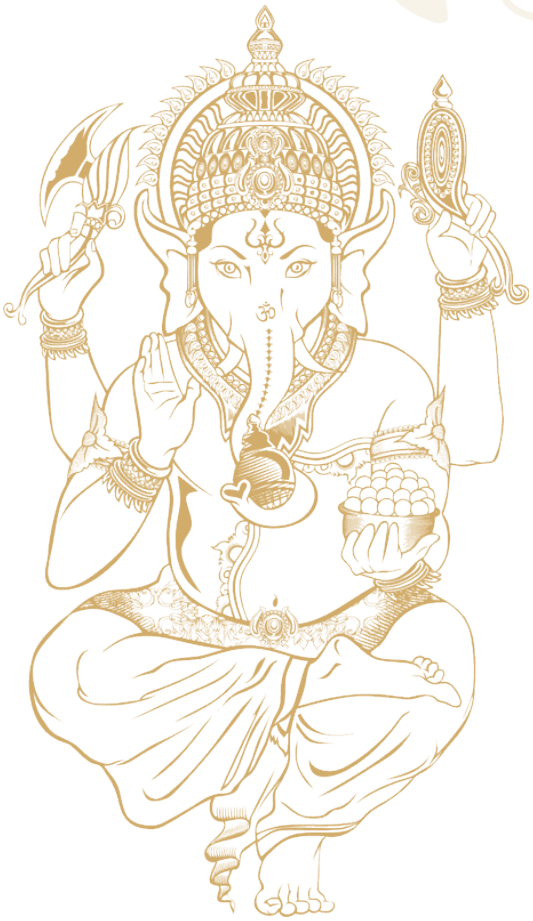

07 Feb 1994

12:05 PM

Nalagarh

Model: Baby-Horoscope

Order No: 120987901

तिथि 07/02/1994 **समय** 12:05:00 **वार** सोमवार **स्थान** Nalagarh **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:46:45
अक्षांश 31:03:00 उत्तर **रेखांश** 76:48:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:22:48 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	20:50:49 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:14:10 घं	योनि	वानर
सूर्योदय	07:11:14 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	18:02:59 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2050	वश्य	मानव
शक संवत	1915	वर्ग	मूषक
मास	माघ	युँजा	अन्त्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	अग्नि
तिथि	12	जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	पाया(रा.-न.)	लौह-ताम्र
योग	वज्र	होरा	सूर्य
करण	तैतिल	चौघड़िया	रोग

विंशोत्तरी		योगिनी	
शुक्र 18वर्ष 5मा 18दि		सिद्धा 6वर्ष 5मा 16दि	
चन्द्र		उल्का	
27/07/2018		26/07/2023	
27/07/2028		26/07/2029	
चन्द्र	28/05/2019	उल्का	26/07/2024
मंगल	27/12/2019	सिद्धा	25/09/2025
राहु	27/06/2021	संकटा	25/01/2027
गुरु	27/10/2022	मंगला	27/03/2027
शनि	27/05/2024	पिंगला	26/07/2027
बुध	26/10/2025	धान्या	25/01/2028
केतु	27/05/2026	भ्रामरी	25/09/2028
शुक्र	26/01/2028	भद्रिका	26/07/2029
सूर्य	27/07/2028		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			03:33:51	वृष	कृतिका	3	सूर्य	शनि	---	0:00			
सूर्य			24:28:34	मक	धनिष्ठा	1	मंगल	राहु	शत्रु राशि	1.83	अमात्य	पितृ	क्षेम
चंद्र			14:21:22	धनु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र	सम राशि	1.19	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल		अ	14:05:56	मक	श्रवण	2	चंद्र	गुरु	उच्च राशि	0.98	पुत्र	भ्रातृ	विपत
बुध			12:21:31	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	शनि	सम राशि	1.17	ज्ञाति	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु			20:10:34	तुला	विशाखा	1	गुरु	गुरु	शत्रु राशि	0.84	भ्रातृ	धन	साधक
शुक्र		अ	29:33:41	मक	धनिष्ठा	2	मंगल	शनि	मित्र राशि	1.07	आत्मा	कलत्र	क्षेम
शनि			07:19:00	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	राहु	मूलत्रिकोण	1.33	कलत्र	आयु	प्रत्यारि
राहु	व		06:02:58	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	बुध	शत्रु राशि		---	ज्ञान	वध
केतु	व		06:02:58	वृष	कृतिका	3	सूर्य	बुध	सम राशि		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

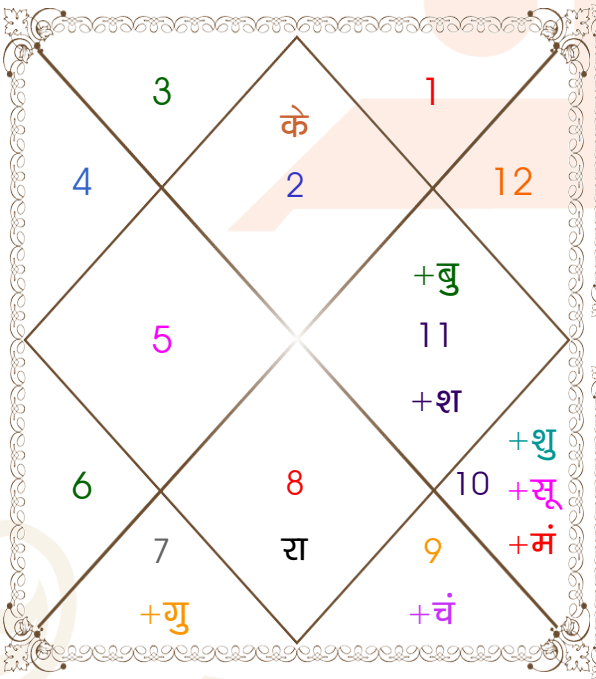

चन्द्र कुंडली

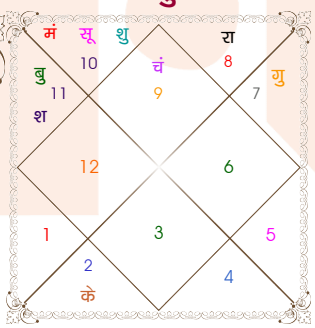

नवमांश कुंडली

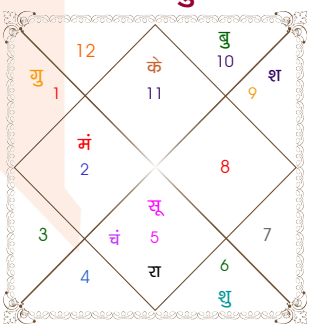

सर्वाष्टकवर्ग

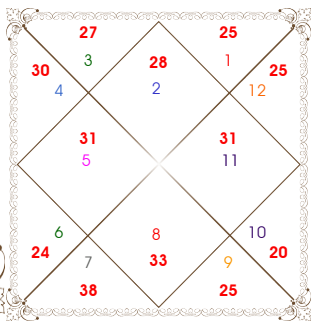

दशमांश कुंडली

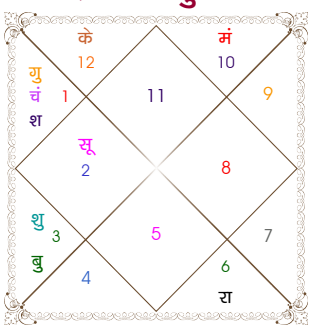

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का॓लर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नक्षत्रफल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ हैं। अतः आपकी जन्म राशि धनु तथा राशि स्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका वर्ण क्षत्रिय, गण मनुष्य, नाड़ी मध्य, योनि वानर तथा वर्ग मूषक होगा। नक्षत्र के प्रथम चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "भु" या "भू" अक्षर से होगा यथा- भूदेव।

आप अपने जीवन काल में समस्त सुखैश्वर्य का प्रसन्नतापूर्वक उपभोग करने में सफल रहेंगे। आपका व्यवहार अन्य लोगों के साथ अत्यन्त ही मधुर तथा प्रशंसनीय रहेगा। इससे अन्य लोग आपसे पूर्ण रूपेण प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आपकी वाणी भी अत्यन्त ही मधुर तथा प्रशंसनीय रहेगी तथा इसी प्रिय एवं मधुरवाणी का आप अपने सम्भाषण में उपयोग करेंगे। आपका चरित्र निर्मल तथा अनुकरणीय रहेगा। साथ ही धन दौलत का आपके पास सामान्यतया अभाव नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार की सम्पत्तियों से आप सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मन में बार बार जल पीने की इच्छा जागृत होती रहेगी।

भूयो भूयस्तोयपानानुरक्तो भोक्ता चञ्चद्वाग्विलासः सुशीलः।
नूनं सम्पज्जायते तस्य गाढा पूर्वाषाढा जन्मभं यस्य पुंसः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न जातक बार बार पानी पीने की इच्छा करने वाला, भोगी, मृदु तथा प्रिय बोलने वाला सुशील एवं अधिक सम्पत्ति वाला होता है।

आपको सर्वप्रकार से आनन्द तथा सुख प्रदान करने वाली पत्नी की प्राप्ति होगी अतः आपका सांसारिक जीवन अत्यन्त ही आनन्द एवं सुखपूर्वक व्यतीत होगा। समाज में आप एक आदरणीय तथा सम्माननीय व्यक्ति समझे जाएंगे। आप किसी अन्य से स्थिर मित्रता करना पसन्द करेंगे। अतः आपके अधिकांश मित्र बुद्धिमान तथा गुणवान रहेंगे। साथ ही आपके पास ऐश्वर्य एवं वैभव भी स्थिर मात्रा में ही रहेगा।

इष्टानन्दकलत्रो मानी दृढ़सौहृदश्च जलदैवे।
बृहज्जातकम्

अर्थात् पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में पैदा हुआ जातक आनन्ददायिनी अभीष्ट स्त्री से युक्त, मान सम्मान से युक्त और सुस्थिर मित्र तथा सम्पत्ति वाला होता है।

आपके अर्न्तमन में अन्य जनों के उपकार करने की भावना सर्वदा विद्यमान रहेगी तथा अपने स्वजनों के अतिरिक्त अन्य जनों के उपकार करने के लिए भी आप सदैव तत्पर रहेंगे। अतः ऐसे कार्यों से आपका समाजिक सम्मान निरन्तर वृद्धि को प्राप्त होता रहेगा। आप एक भाग्यवान पुरूष होंगे तथा अपने सौभाग्य से ही अनेक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित कर सकेंगे। आप की बुद्धि भी अत्यन्त ही तीक्ष्ण होगी तथा अधिकांश

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

शास्त्रों का आपको अच्छा ज्ञान रहेगा। इसके अतिरिक्त विविध प्रकार के कार्यों को करने में भी आप निपुण रहेंगे। समाज के सभी वर्गो में आप समान रूप से लोकप्रिय भी रहेंगे।

दृष्टमात्रोपकारी च भाग्यवांश्च जनप्रियः।
पूर्वाषाढ़ाभवो नूनं सकलार्थ विचक्षणः।।
मानसागरी

अर्थात् पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न जातक अपरिचित, कामी, उपकार करने वाला, भाग्यवान, सभी जनों का प्रेमी, और सभी विषयों का विलक्षण पंडित होता है।

आप एक सदाचारी पुरूष होंगे तथा समाज में सर्वप्रकार के मान सम्मान से युक्त रहेंगे। आपकी मुख्य विशेषता रह रहेगी कि आपके हृदय में स्वभाविक शान्ति विद्यमान रहेगी अनावश्यक रूप से आप कभी भी उत्तेजित नहीं होंगे तथा संकट काल में भी बुद्धि तथा धैर्य का अवलम्बन करके शान्ति एवं सहनशीलता के भाव का यत्नपूर्वक जीवन में पालन करेंगे।

पूर्वाषाढ़भवो विकारचरितो मानी सुखी शान्त धीः।।
जातकपरिजातः

अर्थात् पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न बालक सच्चरित्र, सम्माननीय, सुखी, शान्त तथा बुद्धिमान होता है।

आप लौहपाद में उत्पन्न हुए है। यद्यपि लौहपाद में उत्पन्न जातक सामान्य रूप से रोगी, दुःखी, धनाभाव से व्याकुल, सुखसंसाधनों से हीन तथा अन्य प्रकार के कष्टों से नित्य पीडित रहता हैं। किन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा शुभराशि में स्थित हैं। अतः आपके लिए यह लौहपाद अशुभ की अपेक्षा शुभ ही अधिक रहेगा तथा विभिन्न प्रकार के शुभ फलों की आपको आजीवन प्राप्ति होती रहेगी। आप एक तेजस्वी तथा बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा धन सम्पत्ति से प्रायः सुसम्पन्न रहेंगे। आपकी आयु भी पूर्ण होगी तथा जीवन में आवश्यक सुख साधनों को अर्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। लेकिन स्वास्थ्य की दृष्टि से आप मध्यम रहेंगे तथा यदा कदा श्वास आदि रोगों से व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। इस प्रकार आपका सांसारिक जीवन सामान्यतया प्रसन्नतापूर्वक ही व्यतीत होगा।

धनु राशि में जन्म होने के कारण आपकी मुखाकृति तथा कण्ठभाग दीर्घता से युक्त रहेगे। आपके कान, ओंठ तथा दान्तों में भी स्थूलता दृष्टिगोचर होगी। साथ ही आपकी भुजाएं भी पुष्ट रहेगी। आपको पिता द्वारा अर्जित धन की पूर्ण रूपेण प्राप्ति होगी तथा इससे आप समृद्ध रहेंगे। आपकी दानशीलता की प्रवृति भी रहेगी। अतः समय समय पर यथाशक्ति आप अपनी इस प्रवृति का पालन भी करते रहेंगे। आप लेखन कार्य में पूर्ण रूचि रखेंगे। अतः काव्यादि सृजन में ख्याति अर्जित कर सकेंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अतः शरीर में बल का अभाव नहीं होगा। आप उच्च श्रेणी के वक्ता होंगे तथा अपने ओजस्वी भाषणों से अन्य जनों को पूर्ण रूपेण प्रभावित करने में सफल रहेंगे। सभी लोग

आपको हार्दिक सम्मान भी प्रदान करेंगे। नाना प्रकार के कार्यों को सम्पन्न करने की योग्यता भी आप में विद्यमान रहेगी। चित्रकारी के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी एवं इसमें आप विशेष योग्यता भी प्राप्त कर सकेंगे। आप गम्भीर प्रवृति से युक्त होकर धर्म के विषय में विस्तृत ज्ञान भी रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके संबंध सामान्य ही रहेगे। इसके अतिरिक्त आप से बलपूर्वक कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करवाया जा सकेगा। आप केवल प्रेम तथा सम्मान से ही कार्य करेंगे।

व्यादीर्घस्यशिरोधरः पितृधनस्त्यागी कविर्वीर्यवान्।
वक्ता स्थूलदरश्चवाधरनसः कर्मोद्यतः शिल्पवित्।।
कुब्जांसः कुनखी समांसलभुजः प्रागल्भ्यवान धर्मविद।
बन्धुद्विट् न बलात्समेति च वशं साम्नैकसाध्योळश्वजः।।
वृहज्जातकम्

आपकी आखें गोल तथा सुन्दर रहेंगी एवं हाथ की लम्बाई भी सामान्य से अधिक दृष्टिगोचर होगी। अवस्था के साथ साथ आपकी कमर में झुकाव भी आ सकता हैं। आपको पानी के नजदीक रहना या भ्रमण करना अत्यन्त ही रूचिकर प्रतीत होगा। अतः अवसरानुकूल आप अपनी इस रूचि का भी पालन करते रहेंगे। आपके शरीर की हड्डियां भी स्वस्थ एवं पुष्ट रहेंगी। आपके अन्दर कृतज्ञता का सद्भाव विद्यमान रहेगा तथा अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा उपकृत होने पर आप उसके प्रति हार्दिक आभार प्रकट करेंगे तथा उसके उपकार को पूर्ण रूप से स्वीकार करेंगे।

कुब्जाङ्गो वृतनेत्रः पृथुहृदयकटिः पीनबाहु प्रवक्ता।
दीर्घासो दीर्घकण्ठो जलतटवसतिः शिल्पविद् गूढगुह्यः।।
शूरोदृष्टोळस्थिसारो विततबहुबलः स्थूलकण्ठोष्ठघोणो।।
बन्धुस्नेही कृतज्ञो धनुषिशशिधरे संहतांघ्रि प्रगल्भः।।
सारावली

आप हमेशा अपने किसी न किसी कार्य में हमेशा तत्पर रहेंगे तथा निष्क्रिय होकर कभी भी नहीं बैठेंगे। आप अत्यन्त ही वाक्पटु होंगे तथा आप वाणी की चतुरता से कई कार्यों को सिद्ध करेंगे तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में भी सफल रहेंगे। आपकी प्रवृति त्याग की भावना से भी युक्त रहेगी। साथ ही आपका कद मध्यम रहेगा। आप एक साहसी पुरूष होंगे तथा अपने समस्त कार्यों को साहस पूर्वक सम्पन्न करेंगे। शत्रुओं का नाश करने में आप हमेशा सक्षम रहेंगे तथा वे आपसे सर्वदा भयभीत से रहेंगे। साथ ही आप उच्चाधिकारी वर्ग तथा सामान्य लोगों के मध्य प्रिय एवं आदरणीय भी रहेंगे।

दीर्घास्यकण्ठः पृथुकर्णनासः कर्मोद्यतः कुब्जतनुनृपेष्टः।
प्रागल्भ्यवाक्त्यागयुतोळरिहन्ता साम्नैकसाध्योळश्विभवो बलाढ्यः।।
फलदीपिका

विभिन्न प्रकार की कलाओं में भी आप निपुण रहेंगे तथा हमेशा सदाचारी जीवन

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

व्यतीत करने के लिए जीवन में यत्नशील रहेंगे। आप स्पष्ट वक्ता होंगे तथा आपको जो कुछ भी कहना हो स्पष्ट रूप से अन्य जनों के समक्ष उसे कह देंगे। इसके साथ ही आप सोच विचार कर अपनी आय को मध्यनजर रखते हुए व्यय करेंगे।

बहुकलाकुशलः प्रबलो महाविमलताकलितः सरलोक्तिभाक्।
शशधरे तु धनुर्धरगे नरो धनकरो न करोति बहुव्ययम्।।
जातकाभरणम्

आपके शारीरिक अंग सुन्दर तथा पुष्ट रहेंगे तथा अपने कुल एवं परिवार में भाईयों की अपेक्षा श्रेष्ठ माने जाएंगे। समस्त परिवारजन आपको यथायोग्य स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आप चित्रकारी या इंजीनियरिंग में विशेष सफलता अपने जीवन में अर्जित कर सकेंगे।

सौम्याङ्गो रूचिरेक्षणः कुलवरः शिल्पी धनुस्थे विधौ।।
जातक परिजातः

आप स्वभाव से ही शूरवीर तथा साहसी पुरूष रहेंगे। सत्य के प्रति आप निष्ठावान होंगे तथा आजीवन इसके अनुपालन में तत्पर रहेंगे। आप स्थिर बुद्धि के स्वामी होंगे अतः आप अपने कार्य या आजीविका आदि को स्थिर रूप में ही करना पसन्द करेंगे। आप सभी लोगों के प्रति प्रेम तथा सम्मान की भावना का प्रदर्शन करेंगे तथा अनावश्यक वैमनस्य का भाव अपने मन में नहीं रखेंगे। आप एक सुन्दर पुरूष होंगे तथा सुन्दर सुशील एवं बुद्धिमती भार्या की आपको प्राप्ति होगी। आपकी प्रवृति नाटकों के प्रति भी रहेगी अतः इसे भी आप सम्पन्न करेंगे। आपका शरीर स्थूल रहेगा तथा कभी कभी आप ऐसे कार्यों को सम्पन्न करेंगे जिससे समस्त कुल एवं परिवार को परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति भी होगी लेकिन समाज में आपकी लोकप्रियता बनी रहेगी।

शूरः सत्यधियायुक्तः सात्विको जननन्दनः।
शिल्पविज्ञान सम्पन्नो धनाढ्यो दिव्यभार्यकः।।
मानसागरी

आप सर्वप्रकार के सद्गुणों सम्मान तथा आदर से सुसम्पन्न रहेंगे तथा समाज के सभी वर्गो में लोकप्रिय रहेंगे। आप अपने अन्य भाईयों में निश्चित रूप से श्रेष्ठ एवं सम्माननीय समझे जाएंगे। आप एक धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा देवता, ब्राहमण तथा गुरूजनों के प्रति पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा। आपकी चाल अत्यन्त ही आकर्षक होगी परन्तु स्वभाव में सहनशीलता के भाव का प्रायः अभाव ही रहेगा।

धनुरिवगुणयुक्तः कीर्तिवाक् पूजनीयः।
कुलपतिरूपचेता बन्धुवर्गैक पात्रः।।
बहुजन धनयुक्तो देवविप्रर्षि सेवी।
मृदुगतिरसहिष्णुः कार्मुको यस्य राशिः।।
जातक दीपिका

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मनुष्य गण में जन्म लेने के कारण आप ब्राहमण तथा देवताओं के प्रति असीम श्रद्धा तथा पूजा का भाव रखने वाले पुरूष होंगे साथ ही आप अन्य कार्यों तथा कलाओं के विषय में भी जानकारी रखने वाले होंगे। आपकी बुद्धि अत्यन्त तीव्र होगी तथा समस्त कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। आपकी शारीरिक कान्ति भी दर्शनीय रहेगी। इसके अतिरिक्त आप अन्य जनों को सुख प्रदान करने वाले भी होंगे।

आपका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा तथा दानशीलता का भाव भी आपके मन में सर्वदा विद्यमान रहेगा जिसका आप समयानुसार यथाशक्ति पालन भी करते रहेंगे। आप एक बुद्धिमान तथा सादगी पूर्ण पुरूष रहेंगे। व्यर्थ की भौतिकता में आपका विश्वास नहीं रहेगा। साथ ही समाज में आप एक विद्वान के रूप में प्रसिद्ध रहेंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

वानर योनि में उत्पन्न होने के कारण आप की प्रवृति अत्यन्त ही चंचल रहेगी। आप मीठे पदार्थो के भक्षण के अत्यन्त शौकीन रहेंगे। धन के प्रति आपके मन में विशेष आकर्षण रहेगा तथा इसको प्राप्त करने के लिए आप अत्यन्त ही आतुर तथा प्रयत्नशील रहेंगे। यदा कदा आपका स्वभाव वाद विवाद में भी क्रियाशील रहेगा एवं किसी न किसी से आपका परस्पर विवाद चलता रहेगा। भावना की अधिकता भी आपके मन में विद्यमान रहेगी तथा उत्तम एवं गुणवान सन्तति से आप हमेशा युक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप अनेक साहसी कार्यो को सम्पन्न करेंगे।

चपलो मिष्टभोगी चार्थलुब्धश्च कलिप्रियः।
सकामःसत्प्रजःशूरोनरो वानरयोनिजः।।
मानसागरी

अर्थात् वानर योनि में उत्पन्न पुरूष चंचल, मीठी चीजों का खाने वाला, धन का लोभी, झगड़ों का प्रेमी, काम चेष्टा वाला, अच्छी सन्तान से युक्त एवं शूरवीर होता है।

आपके जन्मकाल में चन्द्रमा की स्थिति अष्टम भाव में है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। आपके प्रति उनके मन में सामान्य प्रेम विद्यमान रहेगा एवं जीवन में समस्त महत्वपूर्ण कार्यो में वे आपको सहयोग तथा प्रोत्साहन प्रदान करती रहेंगी। आपके स्वास्थ्य के प्रति वे चिन्तनशील रहेगी एवं सर्वदा आर्थिक तथा अन्य सहायता करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त उनसे आप कभी कभी विशेष धनार्जन करने में भी सफल हो सकेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

आप का भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रहेगा एवं उनकी सेवा तथा आज्ञा का पालन करने के लिए प्रायः तत्पर ही रहेंगे। आपके परस्पर संबंध अच्छे रहेंगे परन्तु यदा कदा आपसी मतभेदों के कारण इनमें कटुता भी आयेगी लेकिन कुछ समयोपरान्त स्वतः सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इसके साथ ही आपके परस्पर संबंध भी सामान्य ही रहेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य नवम भाव में स्थित है अतः आप पिता के स्नेह पात्र होंगे। उनका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। जीवन में धन सम्पत्ति से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उनकी आपके लिए पूर्ण प्रेरणा तथा सहयोग का भाव रहेगा।

आप भी उनका पूर्ण हार्दिक सम्मान करेंगे एवं उनकी आज्ञा पालन तथा सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर मधुर संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद उत्पन्न होने के कारण इनमें अल्प मात्रा में तनाव या कटुता का समावेश का आभास होगा जो कुछ समयोपरान्त स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी हार्दिक सहायता करेंगे एवं सुख दुःख में उनको पूर्ण वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

आपके जन्म समय में मंगल नवम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन यदा कदा शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति भी करेंगे। आपके प्रति उनका अपनत्व रहेगा एवं जीवन के सुख दुःख में आपका नित्य सहयोग करते रहेंगे। इसके साथ ही आपकी भाग्योन्नति में भी वे वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता अवश्य प्रदान करेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा तथा इससे वे युक्त रहेंगे।

आप भी उनको हृदय से स्नेह एवं सम्मान प्रदान करेंगे एवं सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। आपके आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा आपसी सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण उनमें कटुता भी आएगी लेकिन यह अस्थाई रहेगी। इसके साथ ही उनकी भाग्योन्नति में भी आप समयानुसार आर्थिक या अन्य प्रकार से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे एवं सुख दुःख में उनका पूर्ण साथ देंगे।

आपके लिए श्रावण मास, तृतीया, अष्टमी, त्रयोदशी तिथियां, भरणी नक्षत्र, वज्रयोग, तैतिलकरण, शुक्रवार प्रथम प्रहर तथा मीन राशि का चन्द्रमा हमेशा अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 जुलाई से 14 अगस्त के मध्य 3,8,13 तिथियों, भरणी नक्षत्र, वज्रयोग तथा तैतिलकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार, प्रथम प्रहर तथा मीन राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहें।

यदि आपके लिए समय अनुकूल नहीं चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में बाधा उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय मे आपको अपने इष्ट देव हनुमान जी उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। साथ ही सोना, पुखराज, पीत वस्त्र, पीत चन्दन, चने की दाल, हल्दी आदि पदार्थो का दान करना चाहिए। ऐसा करने से आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र के 16000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए। इस प्रकार करने से आपके समस्त अशुभ फल नष्ट होंगे।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com